DT दीनार टाइम्स

कानपुर न्यूज

मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग के ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन

संवाददाता/ डीटीएनएन

कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में आयोजित छह दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी स्लोगन कार्यक्रम के साथ हुआ। शिविर का संचालन विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग के निर्देशन में किया गया। शिविर के दौरान विभाग की छात्र-छात्राओं ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित कीं। जल संरक्षण मॉडल, कैप गतिविधि और पहेलियों के माध्यम से बच्चों को जल के महत्व एवं उसके संरक्षण की जानकारी दी गई। इसके साथ ही क्राफ्ट गतिविधियों में बर्ड, बर्ड वाटर बाउल एवं फीडर बनाना सिखाकर वन्य जीवों के संरक्षण और उनके प्रति प्रेम का संदेश दिया गया। लघु नाटिका के माध्यम से बच्चों को रीसाइक्लिंग की उपयोगिता समझाई गई तथा हरे, नीले और लाल डस्टबिन के अलग-

वृक्षारोपण व पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों के साथ बच्चों ने लिया स्वच्छ पर्यावरण का संकल्प

अलग उपयोग की जानकारी दी गई। पुरानी प्लास्टिक की बोतलों से पौधों के लिए पॉट तैयार करवाकर पौधारोपण भी कराया गया। बच्चों से पर्यावरण संरक्षण की प्रतिज्ञा के रूप में हैंड प्रिंटिंग भी करवाई गई। डॉ. मुक्ता गर्ग ने बच्चों को स्वच्छ पर्यावरण के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि शिविर में प्राप्त

जानकारी को दैनिक जीवन में अपनाकर पर्यावरण सुरक्षा में सक्रिय भूमिका निभाएं। शिविर में सक्रिय सहभागिता के लिए रेयांश, परी एवं श्रेयांश को 卐सक्रिय पर्यावरण योद्धा卐 पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी प्रतिभागी बच्चों को उपहार स्वरूप पौधे एवं पर्यावरण सामग्री भेंट की गई। अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर ने शिविर के सफल आयोजन पर विभाग की शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं को बधाई दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में नर्सरी टीचर रेनू, शिक्षिका डॉ. श्वेता राय तथा विभाग के पीएचडी, एमएससी एवं बीएससी के छात्र-छात्राओं का विशेष योगदान रहा।

Turn To Next Page

DT दीनार टाइम्स

कानपुर न्यूज

बच्चों ने लिखे पर्यावरण सुरक्षा के स्लोगन

Continued from previous page...

low access Dinar Times ePaper For FREE! Whatsapp 92195 22349 Send Messege Type EDT

426 10:55 PM Page 1

सूर्यास्त 06.52 | न्यूनतम 26.0° | ₹ 1,59,040 | ₹ 2,85,000

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 325 कानपुर, सोमवार 01 जून 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

htrivaswaroop.in

छः दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का हुआ समापन

कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग के निर्देशन में संचालित 6 दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का समापन वृक्षापरोपण एवं पर्यावरण संबंधी स्लोगन कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। इस शिविर के अंतर्गत विभाग की छात्र एवं छात्राओं द्वारा बच्चों को पर्यावरण की शिक्षा देने हेतु विभिन्न गतिविधियों जैसे जल संरक्षण मॉडल, कैप एवं जल संरक्षण पहेलियां पूछ कर जीवन में जल के महत्त्व एवं उनके संरक्षण की जानकारी प्रदान की गई। क्राफ्ट द्वारा बर्ड, बर्ड वाटर बाउल एवं फीडर बनाना सिखाया कर वन्य प्राणी के प्रति प्रेम एवं संरक्षण संबंधी जानकारी प्रदान की गई। लघु नाटिका द्वारा बच्चों को रीसाइक्लिंग की जानकारी प्रदान करते हुए विभिन्न प्रकार के कूड़ेदान हरा,नीले एवं लाल डस्टबिन का पृथक पृथक प्रयोग करना सीखने के साथ पुरानी प्लास्टिक की बोतलों का प्रयोग कर पौधे हेतु पॉट का निर्माण करवा पौधारोपण करवाने के साथ साथ बच्चों को पर्यावरण संरक्षण प्रतिज्ञा स्वरूप हैंड प्रिंटिंग करवाई गई। डॉ, मुक्ता गर्ग ने बच्चों को स्वच्छ पर्यावरण के महत्त्व को बताते बच्चों से आवाहन किया कि शिविर में प्राप्त जानकारी को अपने दैनिक जीवन में अपनाते हुए पर्यावरण सुरक्षा में अपना सक्रिय योगदान दे। सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया, सक्रिय पर्यावरण योद्धा का पुरस्कार रेयांश, परी, एवं श्रेयांश को मिला। भाग लेने सभी बच्चों को उपहार स्वरूप पौधा एवं पर्यावरण सामग्री प्रदान की गई। अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर ने छात्रों एवम विभाग की शिक्षिकाओं को शिविर के सफल आयोजन हेतु बधाई दी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नर्सरी टीचर रेनू, शिक्षिका डॉ. श्वेता राय एवं विभाग के पी. एच. डी, एम. एस. सी. एवं बी. एस.सी. के छात्र छात्राओं ने अपना विशेष योगदान दिया।

1991-2026
36 वर्ष
रजत जयंती वर्ष

कानपुर वर्ष 33 अंक 41
सोमवार 01 जून, 2026
पृष्ठ 8 महानगर संस्करण
MIC-II/CPM/005/
KPHO/2022-24
₹ 2.00

दैनिक समाचार पत्र

चेतना विचारधारा

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड से प्रकाशित

www.chetnavichardhara.com

गोरखपुर,लखनऊ,प्रयागराज,कानपुर,वाराणसी व हरिद्वार से प्रकाशित

मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में लगे छः दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का हुआ समापन

स्वतंत्र विचारधारा

कानपुर देहात/चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग के निर्देशन में संचालित 6 दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का समापन वृक्षापरोपण एवं पर्यावरण संबंधी स्लोगन कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। इस शिविर के अंतर्गत विभाग की छात्र एवं छात्राओं द्वारा बच्चों को पर्यावरण की शिक्षा देने हेतु विभिन्न गतिविधियों जैसे जल संरक्षण मॉडल, कैप एवं जल संरक्षण पहेलियां पूछ कर जीवन में जल के महत्त्व एवं उनके संरक्षण की जानकारी प्रदान की गई। क्राफ्ट द्वारा बर्ड, बर्ड वाटर बाउल एवं फीडर बनाना सिखाया कर वन्य प्राणी के प्रति प्रेम एवं संरक्षण संबंधी जानकारी प्रदान की गई। लघु नाटिका द्वारा बच्चों को रीसाइक्लिंग की जानकारी प्रदान करते हुए विभिन्न प्रकार के कूड़ेदान हरा,नीले एवं लाल डस्टबिन का पृथक पृथक प्रयोग करना सीखने के साथ पुरानी प्लास्टिक की बोतलों का प्रयोग कर पौधे हेतु पॉट का निर्माण करवा पौधारोपण करवाने के साथ साथ बच्चों को पर्यावरण संरक्षण प्रतिज्ञा स्वरूप हैंड प्रिंटिंग करवाई गई। डॉ, मुक्ता गर्ग ने बच्चों को स्वच्छ पर्यावरण के महत्त्व को बताते बच्चों से आवाहन किया कि शिविर में प्राप्त जानकारी को अपने दैनिक जीवन में अपनाते हुए पर्यावरण सुरक्षा में अपना सक्रिय योगदान दे। सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया, सक्रिय पर्यावरण योद्धा का पुरस्कार रेयांश, परी, एवं श्रेयांश को मिला। भाग लेने सभी बच्चों को उपहार स्वरूप पौधा एवं पर्यावरण सामग्री प्रदान की गई। अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर ने छात्रों एवम विभाग की शिक्षिकाओं को शिविर के सफल आयोजन हेतु बधाई दी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नर्सरी टीचर श्रीमती रेनू, शिक्षिका डॉ. श्वेता राय एवं विभाग के पी. एच. डी, एम. एस. सी. एवं बी. एस.सी. के छात्र छात्राओं ने अपना विशेष योगदान दिया।

क्राफ्ट से दी गई बच्चों को पर्यावरण व जल संरक्षण की शिक्षा

सीएसए में छह दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का हुआ समापन

कानपुर, 31 मई। सीएसए के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग के निर्देशन में छह दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का समापन वृक्षापरोपण एवं पर्यावरण संबंधी स्लोगन कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। इस शिविर में छात्र एवं छात्राओं ने बज्जों पर्यावरण की शिक्षा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों जैसे जल संरक्षण मॉडल, कैप एवं जल संरक्षण पहेलियां पूछ कर जीवन में जल के महत्व एवं उनके संरक्षण की जानकारी प्रदान की गई। क्राफ्ट द्वारा बर्ड, बर्ड वाटर बाउल एवं फीडर बनाना सिखाया कर वन्य प्राणी के प्रति प्रेम एवं संरक्षण संबंधी जानकारी प्रदान की गई। लघु नाटिका द्वारा बज्चों को रीसाइक्लिंग की जानकारी प्रदान करते हुए विभिन्न प्रकार के कूड़ेदान हरा,नीले एवं लाल डस्टबिन का पृथक पृथक प्रयोग करना सीखने के साथ पुरानी प्लास्टिक की बोतलों का प्रयोग कर पौधे के लिए पॉट का निर्माण करवा पौधारोपण करवाने के साथ साथ बज्चों को पर्यावरण संरक्षण प्रतिज्ञा स्वरूप हैंड प्रिंटिंग करवाई गई। डॉ, मुक्ता गर्ग ने बज्जों को स्वज्छ पर्यावरण के महत्व को बताते बज्जों से आवाहन किया कि शिविर में प्राप्त जानकारी को अपने दैनिक जीवन में अपनाते हुए पर्यावरण सुरक्षा में अपना सक्रिय योगदान दे। सक्रिय पर्यावरण योद्धा का पुरस्कार रेयांश, परी, एवं श्रेयांश को मिला। सभी बज्जों को उपहार स्वरूप पौधा एवं पर्यावरण सामग्री प्रदान की गई। अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर ने छात्रों एवम विभाग की शिक्षिकाओं को शिविर के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नर्सरी टीचर श्रीमती रेनू, शिक्षिका डॉ. श्वेता राय एवं विभाग के पीएचडी, एमएससी. एवं बीएससी के छात्र छात्राओं ने अपना विशेष योगदान दिया।

बच्चों के साथ शिक्षिकायें।

दैनिक हिन्दी /अंग्रेजी

टाइम्स एण्ड स्पेस

TIME AND SPACE

सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पंजीकृत संख्या:UPBIL/26/A1515

कानपुर नगर से प्रकाशित - प्रतापगढ़, बांदा, बस्ती, गोरखपुर, संत कबीर नगर, हरदोई, राजस्थान आदि से प्रसारित।

मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में छः दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का हुआ समापन

कानपुर नगर, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग के निर्देशन में संचालित 6 दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का समापन वृक्षापरोपण एवं पर्यावरण संबंधी स्लोगन कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ।

इस शिविर के अंतर्गत विभाग की छात्र एवं छात्राओं द्वारा बच्चों को पर्यावरण की शिक्षा देने हेतु विभिन्न गतिविधियों जैसे जल संरक्षण मॉडल, कैप एवं जल संरक्षण पहेलियां पूछ कर जीवन में जल के महत्त्व एवं उनके संरक्षण की जानकारी प्रदान की गई। क्राफ्ट द्वारा बर्ड, बर्ड वाटर बाउल एवं फीडर बनाना सिखाया कर वन्य प्राणी के प्रति प्रेम एवं संरक्षण संबंधी जानकारी प्रदान की गई। लघु नाटिका द्वारा बच्चों को रीसाइक्लिंग की जानकारी प्रदान करते हुए विभिन्न प्रकार के कूड़ेदान हरा,नीले एवं लाल डस्टबिन का पृथक पृथक प्रयोग करना सीखने के साथ पुरानी प्लास्टिक की बोतलों का प्रयोग कर पौधे हेतु पॉट का निर्माण करवा पौधारोपण करवाने के साथ साथ बच्चों को पर्यावरण संरक्षण प्रतिज्ञा स्वरूप हैंड प्रिंटिंग करवाई गई। डॉ, मुक्ता गर्ग ने बच्चों को स्वच्छ पर्यावरण के महत्त्व को बताते बच्चों से आवाहन किया कि शिविर में प्राप्त जानकारी को अपने दैनिक जीवन में अपनाते हुए पर्यावरण सुरक्षा में अपना सक्रिय योगदान दे। सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया, सक्रिय पर्यावरण योद्धा का पुरस्कार रेयांश, परी, एवं श्रेयांश को मिला। भाग लेने सभी बच्चों को उपहार स्वरूप पौधा एवं पर्यावरण सामग्री प्रदान की गई। अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर ने छात्रों एवम विभाग की शिक्षिकाओं को शिविर के सफल आयोजन हेतु बधाई दी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नर्सरी टीचर श्रीमती रेनू, शिक्षिका डॉ. श्वेता राय एवं विभाग के पी. एच. डी, एम. एस. सी. एवं बी. एस.सी. के छात्र छात्राओं ने अपना विशेष योगदान दिया।

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

स्वतंत्र चेतना

कानपुर वर्ष 20 अंक 173
सोमवार 01 जून 2026
पृष्ठ 12 महानगर संस्करण
MIC-II/CPM/004/KPHO/2022-24
₹ 3.00

www.swatantrachetnanews.com

गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी, आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में लगे छः दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का हुआ समापन

स्वतंत्र चेतना

कानपुर देहात/चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग के निर्देशन में संचालित 6 दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का समापन वृक्षापरोपण एवं पर्यावरण संबंधी स्लोगन कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। इस शिविर के अंतर्गत विभाग की छात्र एवं छात्राओं द्वारा बच्चों को पर्यावरण की शिक्षा देने हेतु विभिन्न गतिविधियों जैसे जल संरक्षण मॉडल, कैप एवं जल संरक्षण पहेलियां पूछ कर जीवन में जल के महत्त्व एवं उनके संरक्षण की जानकारी प्रदान की गई। क्राफ्ट द्वारा बर्ड, बर्ड वाटर बाउल एवं फीडर बनाना सिखाया कर वन्य प्राणी के प्रति प्रेम एवं संरक्षण संबंधी जानकारी प्रदान की गई। लघु नाटिका द्वारा बच्चों को रीसाइक्लिंग की जानकारी प्रदान करते हुए विभिन्न प्रकार

के कूड़ेदान हरा,नीले एवं लाल डस्टबिन का पृथक पृथक प्रयोग करना सीखने के साथ पुरानी प्लास्टिक की बोतलों का प्रयोग कर पौधे हेतु पॉट का निर्माण करवा पौधारोपण करवाने के साथ साथ बच्चों को पर्यावरण संरक्षण प्रतिज्ञा स्वरूप हैंड प्रिंटिंग करवाई गई। डॉ, मुक्ता गर्ग ने बच्चों को स्वच्छ पर्यावरण के महत्त्व को बताते बच्चों से आवाहन किया कि शिविर में प्राप्त जानकारी को अपने दैनिक जीवन में अपनाते हुए पर्यावरण सुरक्षा में अपना सक्रिय योगदान दे। सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया, सक्रिय पर्यावरण योद्धा का पुरस्कार रेयांश, परी, एवं श्रेयांश को मिला। भाग लेने सभी बच्चों को उपहार स्वरूप पौधा एवं पर्यावरण सामग्री प्रदान की गई। अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर ने छात्रों एवम विभाग की शिक्षिकाओं को शिविर के सफल आयोजन हेतु बधाई दी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नर्सरी टीचर श्रीमती रेनू, शिक्षिका डॉ. श्वेता राय एवं विभाग के पी. एच. डी, एम. एस. सी. एवं बी. एस.सी. के छात्र छात्राओं ने अपना विशेष योगदान दिया।